

# **भारत का राजपत्र** **The Gazette of India.**

प्रसाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 138]

नई दिल्ली, शुक्रवार, जुलाई 31, 1970/श्रावण 9, 1892

No. 138]

NEW DELHI, FRIDAY, JULY 31, 1970/SRAVANA 9, 1892

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके ।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

NOTIFICATION

New Delhi, the 31st July 1970

**G.S.R. 1119.**—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 6 of the Bengal Finance (Sales Tax) Act, 1941 (Bengal Act 6 of 1941), as in force in the Union territory of Delhi, the Central Government hereby makes with effect from the 1st August, 1970 the following further amendments in the Second Schedule to the said Act, the same having been previously published in the Gazette of India Extraordinary as G.S.R. 1038 dated the 14th July, 1970 as required by the said sub-section, namely:—

In the said Schedule, for item No. 17, the following item and the Explanation shall be substituted, namely:—

“17. All varieties of cotton fabrics, rayon or artificial silk fabrics and woollen fabrics but not including durries, druggets and carpets.

**Explanation.**—The expressions “cotton fabrics”, “rayon or artificial silk fabrics” and “Woollen fabrics” shall have the same meaning as are, respectively assigned to them in the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944).”

[No. F. 16/22/69-UTL.]

K. R. PRABHU, Jt. Secy.



## गृह मंत्रालय

## अधिसूचना

नई दिल्ली, 31 जुलाई 1970

सा० का० नि०-119—दिल्ली के संघ राज्यक्षेत्र में यथा प्रवृत्त बंगाल वित्त (विक्रय कर) अधिनियम, 1941 (1941 का बंगाल अधिनियम 6) की धारा 6 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार पुनर्द्वारा उक्त अधिनियम की द्वितीय अनुसूची में 1 अगस्त, 1970 से और आगे निम्नलिखित संशोधन करती है, जो उक्त उपधारा द्वारा यथा अपेक्षित भारत के राजपत्र, असाधारण तारीख 14 जुलाई, 1970 में सा० का० नि० 1038 के रूप में पूर्व प्रकाशित हो चुकी है, अर्थात् :—

उक्त अनुसूची में मद सं० 17 के स्थान पर निम्नलिखित मद और स्पष्टीकरण प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“17. सभी प्रकार के सूती फैब्रिक, रेयन या कृत्रिम रेणुमी फैब्रिक और ऊनी फैब्रिक किन्तु इसके अन्तर्गत दरिया, ड्रिगेट और कालीन नहीं हैं।”

स्पष्टीकरण :—“सूती फैब्रिक” “रेयन या कृत्रिम रेणुमी फैब्रिक” और “ऊनी फैब्रिक” का वही अर्थ होगा जो केन्द्रीय उत्पादशुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) में उन्हें क्रमशः दिए गए हैं।”

[सं० फा० 16/22/68—यू टी एल]

हस्ताक्षर

के० आर० प्रभु, संयुक्त सचिव ।